जयपुर डायलॉग्स को अवांछनीय तरीके से विवादों में पेश करके थरूर साफ झूठ बोल रहे हैं : संजय दीक्षित

जयपुर डायलॉग्स के संस्थापक व पूर्व आई.ए.एस. दीक्षित ने शशि थरूर पर हमला बोलते हुए कहा कि, "थरूर के खिलाफ मेरे पास बहुत सारे सबूत है"

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर से कांग्रेस के उम्मीदवार घोषित होने के बाद सुनील शर्मा की ओर से उम्मीदवारी वापस लेने और फिर शशि थरूर पर हमला बोलने के बाद अब पूर्व आईएएस संजय दीक्षित ने शशि थरूर पर हमला बोलते हुए कहा है कि शशि थरूर के खिलाफ मेरे पास बहुत सारे सबूत हैं।

सुनील शर्मा के बाद अब जयपुर डायलॉग्स के संस्थापक और रिटायर्ड आईएएस संजय दीक्षित ने भी कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सोशल मीडिया पोस्ट करके सुनील शर्मा मामले में शशि थरूर को गलत बताया है। सुनील शर्मा ने कहा था कि शशि थरूर जयपुर डायलॉग्स में आने को तैयार थे और वो फाइव स्टार होटल व बिजनेस क्लास एयर टिकट मांग रहे थे। दीक्षित ने सुनील शर्मा की बात को आगे बढ़ाते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि, "यही नहीं, शशि थरूर ने कुख्यात कोच्चि टस्कर्स केरल फ्रेंचाइजी केस को रफा-दफा करने के लिए मेरे बीसीसीआई के संपर्कों के जरिए मुझसे मदद मांगी थी। जयपुर डायलॉग्स को अवांछनीय तरीके से विवादों में पेश करने का प्रयास करके वो साफ झूठ बोल रहे हैं। मेरे पास थरूर के दोहरे चेहरे को बेनकाब करने के लिए कई सारे सबूत हैं।"

संजय दीक्षित ने सुनील शर्मा का समर्थन करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लिखा है कि सुनील शर्मा ने बताया है कि कांग्रेस और लेफ्ट लिबरल क्लास किस तरह गलत दिशा में जा रहे हैं, क्या गलत हो रहा है? तथाकथित दक्षिणपंथी बुद्धिजीवियों को वामपंथी झुकाव वाले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में जाने में शायद ही कभी दिक्कत होती है।

> ■ उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि शशि थरूर ने कुख्यात कोच्चि टस्कर्स केरल फ्रेंचाइजी केस को रफा-दफा करने के लिए मेरे बी.सी.सी.आई. के संपर्कों के जरिए मुझसे मदद मांगी थी

दीक्षित ने लिखा कि लेफ्ट लिबरल क्लास उनकी आलोचना करने वाले हर व्यक्ति को दक्षिणपंथी ठहरा देते हैं और उनका बहिष्कार करने का प्रयास करते हैं। हद से ज्यादा असहिष्णुता और अक्षमता आज कांग्रेस का चरित्र बन गया है।

सुनील शर्मा का जयपुर डायलॉग्स से संबंध बताते हुए उनके टिकट पर कांग्रेस समर्थकों ने सवाल उठाए थे। उस वक्त शशि थरूर ने ट्वीट करके सुनील शर्मा के टिकट और जयपुर डायलॉग्स पर सवाल उठाए थे। थरूर ने जयपुर डायलॉग्स का एक ट्वीट शेयर करते हुए लिखा था कि इसने मेरे खिलाफ भी इस तरह के आरोप लगाए थे।

थरूर के ट्वीट के बाद विवाद ज्यादा बढ़ा, देश भर में मामला टॉप ट्रेंड करने लगा। विवाद बढ़ने के बाद सुनील शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके टिकट वापसी की पेशकश की। इसके कुछ ही देर बाद जयपुर से कांग्रेस ने टिकट बदलते हुए प्रताप सिंह खाचरियावास को उम्मीदवार घोषित कर दिया। यूपीए राज के दौरान साल 2010 में जब शशि थरूर विदेश राज्य मंत्री थे तो इंडियन प्रीमियर लीग की कोच्चि टस्कर्स केरल फ्रेंचाइजी टीम में हिस्सेदारी खरीदने पर विवाद हुआ था। थरूर पर विदेश राज्य मंत्री रहते हुए उनकी दोस्त सुनंदा पुष्कर को टीम की फ्रेंचाइजी खरीदने में पद का दुरुपयोग करने के आरोप लगे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई थी। विवाद के बाद शशि थरूर को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

संजय दीक्षित आईएएस रहते हुए मार्च 2009 में ललित मोदी को हराकर आरसीए के अध्यक्ष बने थे। उस वक्त राजस्थान में गहलोत सरकार थी। बाद में सीपी जोशी आरसीए अध्यक्ष बने, दीक्षित आरसीए के सचिव रहे।

डॉ.पूनिया ने सैनी और खट्टर के साथ बैठक ली

हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया की गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ मुलाकात हुई। गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय में डॉ. सतीश पूनिया, नायब सैनी, मनोहर लाल खट्टर लोकसभा चुनाव के विजय संकल्प एवं तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के संकल्प को लेकर प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक ले रहे हैं, इसके बाद प्रदेश चुनाव समिति की बैठक लेंगे और लोकसभा प्रत्याशियों के साथ बैठक कर संवाद करेंगे।

पिंकसिटी प्रेस क्लब चुनाव 30 को

जयपुर, (का.सं.)। पिंकसिटी प्रेस क्लब लिमिटेड, जयपुर की प्रबन्ध कार्यकारिणी 2024-25 के वार्षिक चुनाव 30 मार्च को सम्पन्न होंगे। बुधवार को नामांकन पत्र वापस लेने की प्रक्रिया के बाद विभिन्न पदों के लिए कुल 38 प्रत्याशी मैदान में हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी एल.एल.शर्मा ने बताया कि इनमें अध्यक्ष के एक पद के लिए छः, महासचिव के एक पद के लिए चार, उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए पांच, कोषाध्यक्ष के एक पद के लिए तीन और कार्यकारिणी के दस पदों के लिए 20 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार योगी ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए अभय जोशी, डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़ 'बिल्लू बन्ना', बबीता शर्मा, भागीरथ, राधारमण शर्मा, रूपेष कुमार टिंकर, महासचिव पद के लिए मुकेश चौधरी, रामेन्द्र सोलंकी, राहुल शर्मा 'गौतम', योगेन्द्र शर्मा 'पंचौली' उपाध्यक्ष पद के लिए दिनेश कुमार सैनी (डी.के.), निखलेश शर्मा, परमेश्वर प्रसाद शर्मा, राहुल भारद्वाज, विमल सिंह तंवर तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए अनिल त्रिवेदी, गिरिराज प्रसाद गुर्जर व डी.सी.जैन प्रत्याशी रहे हैं। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्य के लिए अनिता शर्मा ओमवीर भार्गव, उमंग माथुर, एवज पांचाल, डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. सैयद शाहनवाज अली, नमोनारायण अवस्थी, प्रकाश सिंह चौहान, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, राघव शर्मा, लोकेन्द्र सिंह, विकास आर्य, सत्य पारीक, संजय गौतम 'पण्डितजी, संतोष कुमार शर्मा, सन्नी आत्रेय, सिद्धार्थ उपाध्याय, सुरेन्द्र सिंह चौहान, शालिनी श्रीवास्तव, ज्ञानेन्द्र मिश्रा ने प्रत्याशी है।

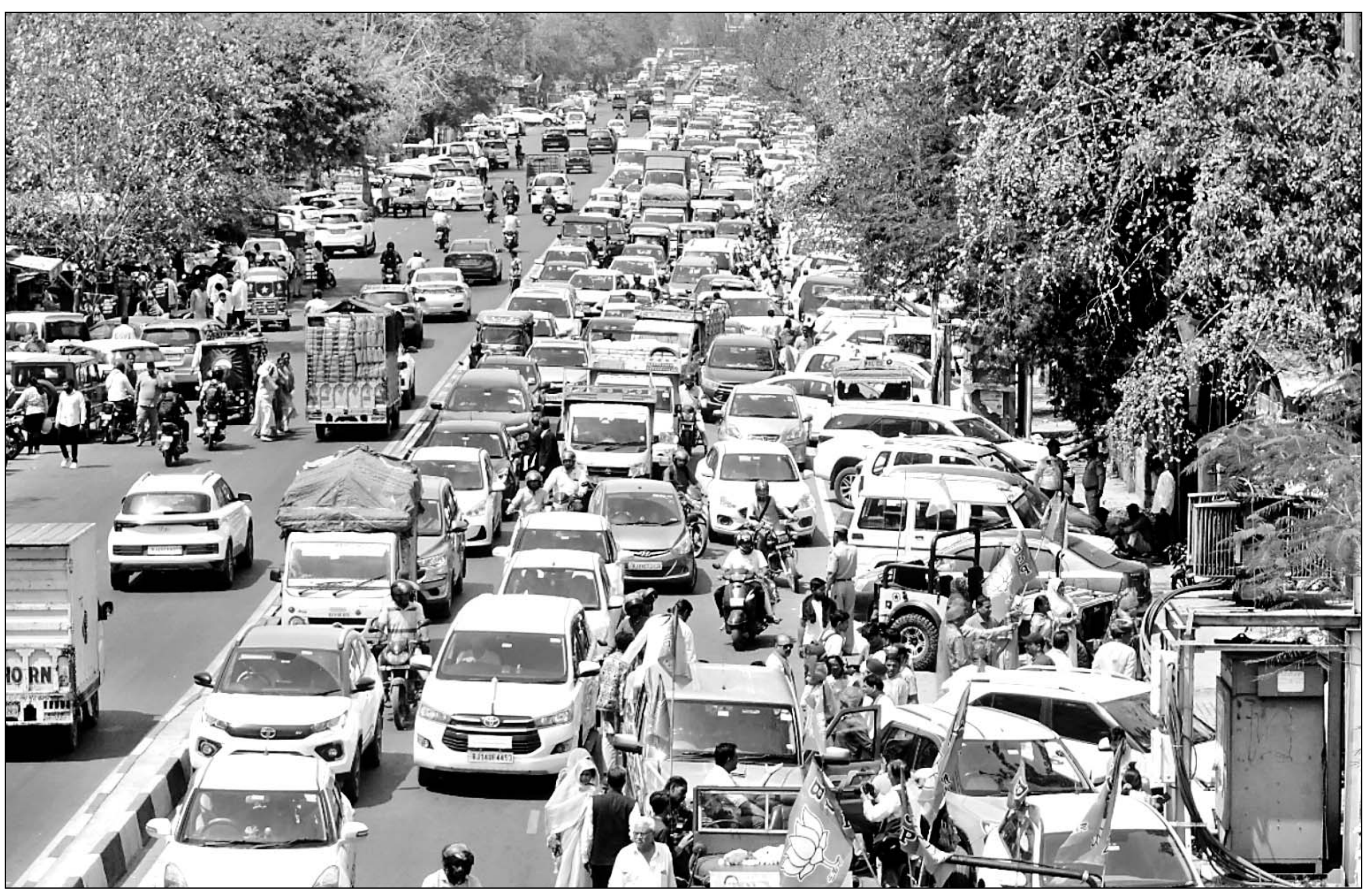

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिये नामांकन के अंतिम दिन बुधवार को कलैक्ट्रेट में पूरे दिन भीड़ लगी रही। वहीं कलेक्ट्री के बाहर नामांकन रैलियों में आने वाले लोगों के कारण जाम के हालात बने रहे। इससे लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा।

सार-समाचार

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिये निःशुल्क जाँच शिविर कल

जयपुर, (का.सं.)। इंपीरियल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जयपुर द्वारा निष्काम समाज सेवा की दिशा में एक और अद्भुत कदम बढ़ाते हुए दिल्ली एन.सी.आर. की देशव्यापी एनजीओ, गिफ़्ट (ग्लोबली इंटीग्रेटिड फॉउंडेशन फॉर थैलेसीमिया) के साथ मिलकर, 29 मार्च को, थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के स्थाई इलाज (बोन मैरो ट्रांसप्लांट) की संभावना जानने के लिये निशुल्क "हाई रेज़ोल्यूशन, एच.एल.ए. टैस्ट शिविर" का आयोजन जयपुर के सुप्रसिद्ध दुर्लभजी मैमोरियल हॉस्पिटल में किया जायेगा। एच.एल.ए., यानि "ह्यूमैन ल्यूकोसाइट एंटीजैन" या साधारण भाषा में कहें तो एक प्रकार का डी.एन.ए. टैस्ट। यह टैस्ट उन थैलेसीमिक बच्चों या अन्य गम्भीर जानलेवा बीमारियों जैसे ब्लड कैंसर आदि से पीड़ित रोगियों के लिये अत्यंत आवश्यक है, जिनके ठीक होने का एकमात्र इलाज ऐलोजेनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट है। इस टैस्ट के बिना इन रोगियों का ऐलोजेनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट होना असंभव है। शिविर में विशेष रूप से एस.डी.एम.एच अस्पताल के वरिष्ठ डॉ पीयूष माथुर व उनके अन्य साथियों के अलावा, विशेष रूप से गुरुग्राम (हरियाणा) से फोर्टिस मैमोरियल रिसर्च इंस्टीट्ययूट के बाल रक्त विकार, कैंसर एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग के प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हैड डॉ विकास दुआ व फरीदाबाद (हरियाणा) से गिफ़्ट संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष मदन चावला शिरकत करेंगे। डॉ विकास दुआ को 50 से अधिक देशों के मरीज़ों को देखने का व लगभग 2000 बोन मैरो ट्रांसप्लांट्स का अनुभव है। मदन चावला के अनुसार जयपुर के शिविर से एकत्रित किये गए सैम्पल्स को जर्मनी में विश्वप्रसिद्ध जैनेटिक लैब डी. के.एम.एस. में जाँच के लिये भेजा जायेगा। जिन बच्चों के एच.एल.ए. मैचिंग के डोनर मिल जाते हैं, गिफ़्ट संस्था उनके बोन मैरो ट्रांसप्लांट हेतु यथासंभव मार्गदर्शन एवं मदद करती है। इंपीरियल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संस्थापक सुनील दत्त गोयल ने बताया कि उनका संगठन व्यापारियों एव उद्योगों के मार्गदर्शन के अलावा अपनी सामाजिक और नैतिक ज़िम्मेदारी समझते हुवे इस प्रकार के आयोजनों में निरंतर सक्रिय रहता है। जयपुर में होने वाले इस विशेष शिविर की सफलता के बाद वो गिफ़्ट संस्था के साथ मिलाकर राजस्थान के अन्य प्रमुख ज़िलों में भी ऐसे शिविर आयोजित करते रहेंग।

संगीत की महफ़िल आज सजेगी

जयपुर, (का.सं.)। डेल्फिक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान के साथ वेस्ट ज़ोन कल्चरल सेंटर एवं रामकृष्ण मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगीत कार्यक्रम स्तुति, ओड टू म्यूजिकल ट्रेडिशन गुरुवार को शाम 5 बजें रामकृष्ण मिशन मंदिर में आयोजित होगा। जहां प्रदेशभर से ख्यातिप्राप्त संगीत कलाकार और संगीत में रुचि रखनें वाले लोग हिस्सा लेंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान का लोक संगीत, यहाँ की समृद्ध विरासत का हिस्सा है, इस तरह के आयोजन से एक ओर प्रदेश की प्रसिद्ध लोक कला संस्कृति और संगीत जीवंत होगे, वही इससे लंगा और मांगणियार भजनों के सुर फिर एक बार लोगो के दिलों तक पहुँच सकेंगे। कार्यक्रम में भुंगर खान ग्रुप द्वारा लंगा और मांगणियार गायन शैली में लोक भजनों और सुरीले गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

जेकेके में लोक नृत्य कार्यशाला कल से

जयपुर, (का.सं.) लोक कलाओं के संरक्षण और युवाओं को इससे रूबरू करवाने के उद्देश्य से जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित की जा रही कार्यशालाओं के क्रम में 29 मार्च से 7 अप्रैल तक लोक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें डॉ. रूप सिंह शेखावात प्रशिक्षक व सुश्री गुलशन सोनी सह प्रशिक्षक रहेंगी। 16 वर्ष से अधिक उम्र के कलाकार निःशुल्क कार्यशाला में हिस्सा ले सकेंगे। परिजात 1-2 में सायं चार से छह बजे तक कार्यशाला का आयोजन होगा।

पॉक्सो कोर्ट ने दुष्कर्मी की बीस साल की सजा को बरकरार रखा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने नौ साल की पीड़िता से दुष्कर्म कर उसे मारने की कोशिश करने वाले अभियुक्त कमलेश मीणा को पूर्व में दी गई बीस साल की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि अदालत ने पूर्व में लगाए गए दो लाख रुपए की जुर्माना राशि को घटाकर एक लाख तीस हजार रुपए कर दिया है। अदालत ने 5 अक्टूबर, 2021 को अभियुक्त को सजा सुनाई थी। इसके बाद अभियुक्त ने सजा के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने पॉक्सो कोर्ट को मामले की पुनः सुनवाई करने को कहा था। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने बताया कि 26 सितंबर, 2021 की शाम नौ साल की पीड़िता अपने नाना के लिए बीड़ी खरीदने बाजार गई थी। रास्ते में अकेला पाकर अभियुक्त ने उसका अपहरण कर लिया और सुनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म किया। इस दौरान अभियुक्त ने उसका गला दबाया और बाद में उसे मरा हुआ समझ कर घर आ गया। वहीं जैसे तैसे पीड़िता ने घर पहुंच कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिस पर परिजनों को कोटखावदा थाने में मामला दर्ज कराया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 12 घंटे में अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं अगले छह घंटे में जांच पूरी कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया गया था। ट्रायल के दौरान अस्पताल से ही पीड़िता के वीसी के जरिए बयान लेने की व्यवस्था की गई थी। पॉक्सो कोर्ट की ओर से सजा सुनाने के बाद अभियुक्त ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने प्रकरण को पुनः पॉक्सो कोर्ट में भेजते हुए सुनवाई करने को कहा था।

पीआरओ सूरज बैरवा को मिली पीएचडी की उपाधि

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर की ओर से सूरज कुमार बैरवा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में अध्ययनरत बैरवा ने अपना शोध कार्य 'समाचार पत्र पाठकों पर डिजिटल मीडिया का प्रभाव (विशेषत: जयपुर के संदर्भ में)' विषय पर किया है। उन्होंने यह शोध कार्य समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मोनिका राव के निर्देशन में किया है।

राजस्थान दिवस नववर्ष पर मनाने की मांग

जयपुर। नव वर्ष समारोह समिति मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि राजस्थान दिवस 30 मार्च के स्थान पर नव संवत् (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) पर मनाया जाए। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राजस्थान का उद्घाटन चैत्र शुक्ला एकमा प्रतिपदा संवत 2006 तदनुसार 30 मार्च 1949 को प्रातः 10:40 बजे रोहिणी नक्षत्र इंद्रयोग में तत्कालीन उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया था। सरदार पटेल ने संयुक्त राजस्थान का उद्घाटन करते समय दिए गए अपने भाषण में कहा था कि "राजपूताना में आज नए साल का प्रारंभ है। यहां आज के दिवस साल बदलता है। शक बदलता है। यह नया वर्ष है। तो आज के दिन हमें नए महा-राजस्थान के महत्व को पूर्ण रीति से समझ लेना चाहिए। आज अपना हृदय साफ कर ईश्वर से हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें राजस्थान के लिए योग्य राजस्थानी बनाये।

नितिन फौजी और रोहित राठौड़ से एन.आई.ए. ने पूछताछ की

जयपुर में शराब कारोबारी की हत्या का प्रयास करने का मामला

जयपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपी नितिन फौजी और रोहित राठौड़ को अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से जयपुर लेकर आई है। एनआईए की टीम सोड़ाला थाने में दोनों बदमाशों से शराब कारोबारियों की हत्या की साजिश रचने के मामले में पूछताछ करने में जुटी है।

लॉरेंस गैंग से जुड़े दोनों बदमाशों से पूछताछ के चलते सोडाला थाने पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। थाना परिसर और आसपास के इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि उर्वेश और आकाश बंजारा की लॉरेंस विश्नोई गैंग के एक गुर्गे ने जेल में बंद रोहित राठौड़ से सिग्नल एप के जरिए बात करवाई। इसी दौरान उन्हें रोहित राठौड़ ने जयपुर के एक शराब कारोबारी को उड़ाने का जिम्मा दिया। इसके बाद ये दोनों बदमाश अपने एक साथी कुश के साथ जयपुर आए और होटल में ठहरे। तीनों ने शराब कारोबारी की पूरी रैकी की। इससे पहले कि ये वारदात को अंजाम देते। पुलिस ने इन्हें दबोच लिया। पड़ताल में सामने आया है कि उर्वेश मीणा और आकाश बंजारा करौली में एक युवक की हत्या के मामले में जेल भी गए थे। वहां मामूली विवाद में इन दोनों ने एक युवक की हत्या कर दी थी। जिसके आरोप में दोनों को पुलिस ने पकड़कर जेल भिजवा दिया था। कुछ समय पहले ही जेल से छूटने पर ये शराब कारोबारी की हत्या की साजिश में शामिल हो गए और रोहित राठौड़ के कहने पर उसकी रैकी भी की।

> ■ अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के आरोपियों को जयपुर लाकर एनआईए पूछताछ कर रही है।

गौरतलब है कि जयपुर की हरमाड़ा थाना पुलिस ने 11 मार्च को तीन बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। पकड़े गए उर्वेश मीणा, आकाश बंजारा और कुश अग्रवाल से पूछताछ में सामने आया कि यह बदमाश जयपुर में एक शराब कारोबारी की हत्या करने आए हैं। यह टास्क उन्हें अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद रोहित राठौड़ ने दिया।

स्वामी विवेकानंद के साहित्य की प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर, (का.सं.)। बीकेबीआईईटी में रामकृष्ण मिशन की ओर से स्वामी विवेकानंद के साहित्य की प्रदर्शनी सह-बिक्री का आयोजन किया गया।

पिलानी, बीके बिरला इंस्टिट्ययूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में स्वामी विवेकानंद विचार दर्शन नामक मोबाइल बुक स्टॉल का आयोजन किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानंद के साहित्य की सह-बिक्री को बीकेबीआईटी, बीकेबीआईईटी, बीटीटीआई के सभी शिक्षक, स्टाफ और विद्यार्थियों के लिए प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम समन्वयक पुस्तकालय एवं सूचना विभाग से डॉ. सरिता जैन ने बताया कि कार्यक्रम भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव और रामकृष्ण मिशन की125वीं वर्षगांठ के अवसर पर आधारित था जिसमें भारतीय दर्शन की प्रमुख पुस्तक वैदिक विज्ञान, प्रेरणादायक पुस्तके, शास्त्रीय, धार्मिक ग्रंथ,आध्यात्मिक विकास, सह मासिक विकास और योग पर प्रदर्शित की गई।

बीकेबीआईईटी निदेशक डॉ. एसएम प्रसन्न कुमार ने स्वामी विवेकानंद को माला अर्पित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विद्यार्थियों को महान दार्शनिक एवं महान विचार स्वामी विवेकानंद के मार्गदर्शन पर चलने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम में बीकेबीआईईटी प्राचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा, बीटीटीआई प्राचार्य मनोज गौर और बीकेबीआईईटी, बीटीटीआई और बीकेबीआईएचई स्टाफ उपस्थित थे। बीकेबीआईईटी जीम कमर्शियल केके पारीक ने कहा कि इस तरह का आयोजन संस्था में होता रहना चाहिए जिससे देश के युवा का स्वास्थ्य एवं संस्कार राष्ट्र की बहुआयामी प्रगति का आधार बने कार्यक्रम के अंतर्गत सभी शिक्षक और छात्रों ने इस प्रदर्शनी में बढ़ चढ़कर भाग लिया और स्वामी विवेकानंद की पुस्तकों के प्रति अपनी रुचि दिखाई।

फैमिली कोर्ट अन्य अदालतों से अलग, इसके भवन में परिवार के लिए भी उचित हो व्यवस्था : सी.जे.

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने कहा कि फैमिली कोर्ट पारिवारिक मामलों के निस्तारण के लिए बने हैं। यहां की प्रक्रिया अन्य न्यायालयों से अलग होती है। यहां वकील, काउंसलर और जज पक्षकारों में सुलह का प्रयास करते हैं। इन अदालतों में बच्चों की अभिरक्षा के मामले भी आते हैं। जिसके चलते इन अदालतों में परिवार के लोग भी आते हैं। ऐसे में फैमिली कोर्ट का भवन न केवल अच्छा हो, बल्कि आने वाले परिवार के लोगों के बैठने के लिए भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। इसलिए फैमिली कोर्ट का अपना अलग से भवन भी होना चाहिए। सीजे श्रीवास्तव बुधवार को फैमिली कोर्ट के अलग भवन के लिए आयोजित भूमि पूजन समारोह में उपस्थित वकीलों सहित अन्य लोगों को संबोधित कर रहे थे।

सीजे श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान में फैमिली विवाद के प्रकरण बढ़ रहे हैं। इसलिए अदालतों की संख्या भी बढ़ रही है। इसलिए कोर्ट के भवन का निर्माण भी उसी गति से होना जरूरी है। सीजे ने आश्वस्त किया कि भवन निर्माण को लेकर किसी तरह की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। फैमिली कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएस शेखावत ने बताया कि महिला आयोग की बिल्डिंग के पास करीब एक बीघा जमीन में फैमिली कोर्ट बनना प्रस्तावित है। इसके लिए 19 करोड रुपए से बेसमेंट सहित बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। अब तक फैमिली कोर्ट महिला आयोग की बिल्डिंग में चल रहा था।

मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव बुधवार को फैमिली कोर्ट के अलग भवन के लिए आयोजित भूमि पूजन समारोह में शामिल हुए।

अपात्रों का चयन करने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वेटनरी ऑफिसर भर्ती-2019 में अपात्र अभ्यर्थियों को चयनित करने के मामले में कार्मिक सचिव, प्रमुख पशुपालन सचिव और आरपीएससी सचिव सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश राजवीर सिंह की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने आरपीएससी को कहा है कि वह याचिकाकर्ता को संबंधित अभ्यर्थियों की विस्तृत जानकारी दे, ताकि उन पर नोटिस तामील कराए जा सके।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने वेटनरी ऑफिसर के नौ सौ पदों के लिए वर्ष 2019 में भर्ती निकाली थी। भर्ती विज्ञापन में आरपीएससी ने वेटनरी साइंस पाठ्यक्रम अंतिम वर्ष में शामिल अभ्यर्थियों को पात्र माना। जबकि भर्ती नियम के अनुसार पात्रता अंतिम वर्ष की परीक्षा में शामिल होना है।